एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न–पत्र प्रथम
हिन्दी साहित्य
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उनका इतिहास

(CBCS)

सत्र - DEC 2020

पूर्णांक 60 + 40 = 100

पाठ्य विषय

इकाई – 1 वाक्यांश

1. विद्यापति– पद संख्या 1 से 25 (विद्यापति, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. बिहारी–बिहारी रत्नाकर–सम्पादक जगन्नाथ रत्नाकर, दोहा क्रमांक–1 से 50
3. जायसी – पद्मावत, सम्पादक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   पद क्रमांक– 1,11,16,21,25 (पांच पद)
   (मानसरोदक खझड एवं नागमती वियोग खण्ड)

इकाई – 2 विद्यापति, कबीर और जायसी से सम्बन्ध आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 3 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (निर्गुणधारण) का इतिहास प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकारों से सम्बन्धित प्रश्न।

इकाई – 4 द्रुतपाठ से कवि चन्दबरदाई, अमीर खुसरो, रैदास, नामदेव से सम्बन्धित लघुउत्तरीय प्रश्न।

इकाई – 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

for Dean and Chairman

10-11-20

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न–पत्र – द्वितीय

हिन्दी (पूर्वार्द्ध)

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 व्याख्यांश

1. मैला आंचल – फणीश्वर नाथ रेणु
2. आपका बंटी – मन्नू भण्डारी
3. गोदान – प्रेमचन्द

इकाई – 2 मैला आंचल, आपका बन्टी एवं गोदान में समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई – 3 हिन्दी नाटक, रंगमंच एवं उपन्यास के इतिहास के विविध प्रवृत्तियाँ, रचनाकारों पर निबन्धात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 लघुउत्तरीय प्रश्न – द्रुतपाठ में निर्धारित गद्यकारों से सम्बद्ध दो लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे।

1. नाटककार – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र डॉ. रामकुमार वर्मा, जगदीशचन्द्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल
2. उपन्यासकार – जैनेन्द्र, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, भीष्म साहनी, मन्नू भण्डारी

इकाई – 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से सम्बद्ध)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न–पत्र – तृतीय

हिन्दी

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 संस्कृत काव्य शास्त्र : काव्य लक्षण, काव्य– हेतु, काव्य– प्रयोजन काव्य के प्रकार।

रस– सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, रस के अंग, साधरणीकरण, सहृदय की अवधारणा, सहृदय की अवधारणा, काव्य वृत्तियाँ, काव्य साधन

इकाई – 2 रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, काव्य– गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ।

वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति तथा अन्य काव्य सिद्धान्तों का सम्बन्ध।

इकाई – 3 ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप ध्वनि – सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणी, भूत–व्यंग्य, चित्रकाव्य।

इकाई – 4 हिन्दी कवि–आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिन्तन : लक्षण–काव्य परम्परा एवं कवि शिक्षा।

इकाई – 5 हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय व्यक्तिवादी/ सौष्ठव वादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न–पत्र – प्रथम
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक 60 + 40 = 100

1. आलोचनात्मक प्रश्न
2. लघुउत्तरीय प्रश्न
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. हिन्दी

वैकल्पिक – साहित्यक वर्ग – विशेष अध्ययन – सूरदास

सेमेस्टर – प्रथम

प्रश्न–पत्र चतुर्थ

सूरदास

पूर्णांक 60 + 40 = 100

ग्रन्थ सूरसागर (पद संख्या 1–70 तक) सम्पादक – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

अंक विभाजन

3 व्याख्याएँ

2 आलोचनात्मक प्रश्न

2 लघुउत्तरीय प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्य विषय

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

Class/ कक्षा : एम.ए.
Subject/ विषय : हिन्दी
Semester/ सेमेस्टर : प्रथम

Title Subject Group/विषय समूह का शीर्षक : कथाकार प्रेमचन्द्र
Paper No. & Title/ प्रनश–पत्र क्रमांक एवं शीर्षक : चतुर्थ

Compulsory/ अनिवार्य या Optional/ वैकल्पिक : Optional/ वैकल्पिक

सेमेस्टर प्रथम	
इकाई – 1	गोदान, उपन्यास कहानी बूढ़ी काकी, बड़े भाई साहब, शतरंज के खिलाड़ी
इकाई – 2	प्रेमचन्द्र युगीन परिवेश
इकाई – 3	हिन्दी उपन्यास परम्परा और प्रेमचन्द्र
इकाई – 4	हिन्दी कहानी उद्‌भव, विकास और प्रेमचन्द्र
इकाई – 5	द्रुतपाठ विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक' बेचैन, शर्मा, उग्र, भगवती प्रसाद वाजपेयी, वृन्दावनलाल वर्मा

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न–पत्र – प्रथम

हिन्दी साहित्य

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उनका इतिहास

सत्र - JUNE - 2021 पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 व्याख्यांश

सूरदास – भ्रमरगीत सार – सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल पद क्रमांक– 51 से 100

तुलसीदास – रामचरितमानस – उत्तर काण्ड

कबीर – कबीर ग्रन्थावली – डॉ. श्यामसुन्दर दास
गुरुदेव के अंग (साखी क्रमांक– 1 से 10) सुमुरिण को अंग ज्ञान (1 से 10) (विरह क्रमांक 1 से 10)

इकाई – 2 सूरदास, तुलसीदास एवं बिहारी से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न।

इकाई – 3 भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास, प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 द्रुतपाठ के कवि – नन्ददास, मीराबाई, धनानन्द और केशव से सम्बन्धित लघु उत्तरीय प्रश्न।

इकाई – 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न–पत्र – द्वितीय

हिन्दी साहित्य

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 व्याख्यांश

1. बाणभट्ट की आत्मकथा – हजारी प्रसाद द्विवेदी

अथवा

पथ के साथी – महादेवी वर्मा

2. निबन्ध–
   - (1) शिवशम्भू के चिट्ठै – बालकृष्ण भट्ट
   - (2) भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेन्द्र हरिश्चन्द्र
   - (3) कविता क्या है ? – रामचन्द्र शुक्ल
   - (4) नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारी प्रसाद द्विवेदी
   - (5) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास सिंह
   - (6) उत्तराफाल्गुनी के आस–पास – कुबेरनाथ राय
   - (7) उठ जाग मुसाफिर – विवेक राय
3. निर्धारित कहानियाँ –
   - (1) उसने कहा था – चन्द्रधरु शर्मा गुलेरी
   - (2) ईदगाह – प्रेमचन्द
   - (3) आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
   - (4) गैग्रीन – अज्ञेय
   - (5) लालपान की बेगम – फणीश्वर नाथ रेणु
   - (6) चीफ की दावत – भीष्म साहनी
   - (7) पिता – ज्ञान रंजन

इकाई – 2 बाणभट्ट की आत्मकथा, निर्धारित निबन्ध कहानी एवं पंथ, के साथी के समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई – 3 कहानी निबन्ध एवं अन्य गद्य विधाओं (रेखाचित्र, स्मरण, आत्मकथा, जीवनी, वृत्तांत, व्यय आदि) के इतिहास प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से सम्बद्ध निबन्धात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 लघुउत्तरी प्रश्न–

द्रुतपाठ हेतु निर्धारित निम्नलिखित गद्यकारों पर केन्द्रित दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

निबन्धकार – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रताप नारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्ण सिंह

कहानीकार – अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, अमरकांत

स्फुट ग्रन्थ – 1 अमृतराय (कलम का सिपाही), 2 शिवप्रसाद सिंह (उत्तर योगी), 3. हरिवंशराय बच्चन (क्यू भूलूँ क्या याद करूँ), 4. राहुल सांकृत्यायन (घुमक्क शास्त्र) माखनलाल चतुर्वेदी (साहित्य देवता)

इकाई – 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न–पत्र – तृतीय
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
अरस्तू : अनुकरण – सिद्धान्त, त्रासदी – विवेचन, विरेचन सिद्धान्त
लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई – 2 मैथ्यू अर्नाल्ड : अलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी.एस. इलियट : परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निवैर्यक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवदेनशीलता का असाहचर्य
आई.ए. रिचर्ड्स, : रागात्मक अर्थ। संवेगों का सन्तुलन व्यावहारिक आलोचना

इकाई – 3 ड्राइडन के काव्य सिद्धान्त
वर्ड्सबर्थ काव्य – भाषा का सिद्धज्ञन्त
कालरिज : कल्पना – सिद्धान्त और ललित – कल्पना

इकाई – 4 सिद्धान्त और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद अभिव्यंजनावाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद, मार्क्स का द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद, अति यथार्थवाद, बिम्बवाद, प्रतीकवाद, अन्तर्विरोध

इकाई – 5 आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ, संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखण्डनवाद, उत्तर आधुनिकवाद।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रूम)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न–पत्र – प्रथम

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक 60 + 40 = 100

1. आलोचनात्मक प्रश्न
2. लघुउत्तरीय प्रश्न
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

Class/ कक्षा : एम.ए.
Subject/ विषय : हिन्दी
Semester/ सेमेस्टर : द्वितीय

Title Subject Group/विषय समूह का शीर्षक : सूरदास
Paper No. & Title/ प्रश्न–पत्र क्रमांक एवं शीर्षक : चतुर्थ

Compulsory/ अनिवार्य या Optional/ वैकल्पिक : Optional/ वैकल्पिक

सेमेस्टर द्वितीय	
इकाई – 1	वाक्यांश – सूरसागर दशम स्कन्ध पूर्वार्द्ध (सम्पादक – नन्ददुलारे वाजपेयी)
इकाई – 2	भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं विविध काव्य धाराएँ
इकाई – 3	कृष्णभक्ति काव्यधारा का परिचय एवं प्रवृत्तियों एवं अष्ठछाप के कवि
इकाई – 4	सूर साहित्य की पृष्ठभूमि जीवन एवं रचनाएँ
इकाई – 5	कुम्भनदास, परमानन्ददास, कृष्णदास, नरोत्तमदास, (हिन्दी साहित्य का इतिहास), डॉ. नगेन्द्र,

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

Class/ कक्षा : एम.ए.
Subject/ विषय : हिन्दी
Semester/ सेमेस्टर : द्वितीय

Title Subject Group/विषय समूह का शीर्षक : कथाकार प्रेमचन्द
Paper No. & Title/ प्रनश–पत्र क्रमांक एवं शीर्षक : चतुर्थ

Compulsory/ अनिवार्य या Optional/ वैकल्पिक : Optional/ वैकल्पिक

सेमेस्टर चतुर्थ	
इकाई – 1	व्याख्यांश गोदान रंगभूमि कर्मभूमि कहानी– ठाकुर का कुँआ, पंच परमेश्वर, मंत्र, कफन, ईदगाह, पूस की रात, बड़े भाई साहब, नमक का दरोगा, कजाकी, सदागति
इकाई – 2	प्रेमचन्द्र एवं रचना यात्रा : उपन्यास, कहानी पत्रकारिता
इकाई – 3	प्रेमचन्द्र के पाठ्य सन्यासों की समीक्षा।
इकाई – 4	प्रेमचन्द्र के पाठ्य कहानियों की समीक्षा
इकाई – 5	द्रुतपाठ – जैनेन्द्र कुमार, यशपाल, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर।

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

प्रश्न–पत्र – प्रथम

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

सत्र - DEC 2021 पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 व्याख्यांश

1. मैथलीशरण गुप्ता : साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता, श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : निर्धारित संकलन – राग विराग (संपादक रामविलास शर्मा)

में संकलित कविताएँ। राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति एवं कुकरमुत्ता

इकाई – 2 मैथलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद एवं निराला से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न (एक)

इकाई – 3 आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, इतिहास और प्रमुख कवि

इकाई – 4 लघुउत्तरीय प्रश्न– दो

द्रुतपाठ से निर्धारित कवि महादेवी वर्मा और माखनलाल चतुर्वेदी, रामकुमार वर्मा, भगवतीचरण वर्मा से सम्बन्ध दो लघुउत्तरीय प्रश्न।

इकाई – 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

प्रश्न–पत्र – प्रथम

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 व्याख्यांश

1. मैथलीशरण गुप्ता : साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता, श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : निर्धारित संकलन – राग विराग (संपादक रामविलास शर्मा)

में संकलित कविताएँ। राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति एवं कुकरमुत्ता

इकाई – 2 मैथलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद एवं निराला से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न (एक)

इकाई – 3 आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, इतिहास और प्रमुख कवि

इकाई – 4 लघुउत्तरीय प्रश्न– दो

द्रुतपाठ से निर्धारित कवि ~~जगन्नाथदास रत्नाकर अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध~~ महादेवी वर्मा और माखनलाल चतुर्वेदी, रामकुमार वर्मा, भगवतीचरण वर्मा से सम्बन्ध दो लघुउत्तरीय प्रश्न।

इकाई – 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
विषय – हिन्दी साहित्य
प्रश्न–पत्र द्वितीय
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 भाषा और विज्ञान – भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण भाषा – व्यवस्था और भाषा व्यवहार भाषा संरचना और भाषिक – प्रकार्य। भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति की दिशाएँ
वर्णात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक

इकाई – 2 स्वप्न प्रक्रिया – स्वप्न विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, स्वनिक वितरण के सिद्धान्त, ग्रिम नियत स्वप्न की अवधारणा – स्वर्णिम में भेद स्वनिमिकं – विश्लेषण

इकाई – 3 व्याकरण – रूप विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, रुपिम की अवधारणा और भेद मुक्त आबद्ध अर्थदर्शी और सम्बन्धदर्शी भेद और प्रकाश, वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयावाद और अन्विताभिधानवाद।

वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ, गहन– संरचना और बाह्य संरचना

इकाई – 4 अर्थविज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ सम्बन्ध पर्याप्तता अनेकार्थता विलोमता, अर्थ प्राप्ति के।

साधन अर्थ अरिवर्तन।

इकाई – 5 साहित्य और भाषा विज्ञान – साहित्य में अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपायोगिता

प्रथम सेमेस्टर अंक विभाजन

2 अलोचनात्मक प्रश्न

5 लघुउत्तरीय प्रश्न

10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. हिन्दी

हिन्दी साहित्य का इतिहास

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्न–पत्र तृतीय

पूर्णांक 60 + 40 = 100

पाठ्य विषय

अ

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा आधारभूत सामग्री और साहित्योतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
   हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य रांसोकाव्य जैन साहित्य
2. हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और इनकी रचनाएँ

ब.

मध्यकाल

1. पूर्वमाध्यकाल भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आन्दोलन, विभिन्न काव्य धाराएँ तथा उनका विश्लेषण, प्रमुख निर्गुन संत कवि और उनका अवदान। भारत की सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रन्थ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्व
2. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण, ग्रन्थो की परम्परा।
3. रीतिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्धि, रीतिमुक्त), प्रवृत्तियों और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ
4. लघुउत्तरीय तथा वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से पूछ जाएँगे।

अंक विभाजन

अलोचनात्मक प्रश्न – 2 (खण्ड)

अलोचनात्मक प्रश्न – 2 (खण्ड)

लघुउत्तरीय प्रश्न 2

वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण विषय से

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. वैकल्पिक तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न–पत्र – चतुर्थ
हिन्दी साहित्य
प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 प्रयोजनमूलक हिन्दी का अर्थ एवं स्वरूप तथा विशेषताएँ

इकाई – 2
1. हिन्दी के विभिन्न रूप – सर्जनात्मक भाषा संचार, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
2. कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य – प्रारूप, पत्र – लेखन संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी।

इकाई – 3 पारिभाषिक शब्दावली– स्वरूप एवं महत्व पारिभाषिक शब्दावली के उदाहरणार्थ एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई – 4 हिन्दी कम्प्यूटिंग–
1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा वेब पब्लिशिंग का परिचय।
2. इन्टरनेट, संघर्ष उपकरणों का परिचय, प्राथमिक, रख–रखाव एवं इन्टरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र
3. वेब पब्लिकेशन
4. इन्टर एक्सरलाइट अथवा नेट स्केप
5. लिंक, ब्राउजिंग पोर्टल, ई–मेल भेजना/ प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इन्टरनेट पॉइंट, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग की सॉफ्टवेयर पैकेट

इकाई – 5
1. पत्रकारिता : स्वरूप विभिन्न प्रकार।
2. हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
3. समाचार– लेखन, कला।
4. संपादन के आधारभूत तत्व।
5. व्यवहारिक प्रूफ संशोधन

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी
वैकल्पिक
प्रश्न–पत्र चतुर्थ
तृतीय सेमेस्टर
वैकल्पिक – व्यवसायिक वर्ग
अनुवाद विज्ञान

पूर्णांक 60 + 40 = 100

प्रश्न–पत्र – प्रथम (वर्ग एक) अनुवाद विज्ञान

इकाई – 1 अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप क्षेत्र और सीमाएँ

इकाई – 2 अनुवाद कला विज्ञान या शिल्प। अनुवाद की इकाई शब्द पदबन्ध, वाक्य पाठ

इकाई – 3 अनुवाद प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण अन्तरर्ण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण स्त्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्त्रोत, भाषा और लक्ष्य, भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया, अनुदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ सम्प्रेषण की प्रक्रिया अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति।

इकाई – 4 अनवुाद तथा समतुल्यता का सिद्धान्त

अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार– कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।

इकाई – 5 अनुवाद की समस्याएँ : संचार माध्यम विज्ञापन आदि।

समस्याएँ कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ

कोष एवं परिभाषिक शब्दावली के निर्माण की समस्याएँ । मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ

विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ

लघुउत्तरीय प्रश्न

दो लघुउत्तरीय प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्न–पत्र प्रथम

हिन्दी साहित्य

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

सत्र - JUNE 2022 पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 व्याख्यंश

1. सुमित्रानन्द पंत – निर्धारित संकलन – रश्मिबन्ध में संकलित परिवर्तन, नौकाविहार, एक तारा, मौन निमंत्रण, आ धरती किना देती है
2. सुमित्रानन्दन, हीरानन्द, वात्स्यायन 'अज्ञेय', नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, कलगी, बाजरे की परती का गीत।
3. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय – यह दीप अकेला, असाध्य वीणा, कलगी बाजरे की, हरी घास पर क्षण भर
4. गजानन माधव मुक्तिबोध – ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में, भूलगलती

इकाई – 2 पंत अज्ञेय और मुक्तिबोध से सम्बन्ध, समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 3 छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, इतिहास और प्रमुख कवियों पर निबन्धात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 लघुउत्तरीय प्रश्न

द्रुतपाठ में निर्धारित कवि केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, रामधारी सिंह दिनकर, शिवमंल सिंह सुमन से सम्बन्ध दो लघुउत्तरीय प्रश्न।

इकाई – 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
विषय– हिन्दी साहित्य
प्रश्न–पत्र द्वितीय
भाषा विज्ञान एवं भाषा

पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 भाषा की अवधारणा, भाषा का उद्‌भव एवं विकास, विश्व की भाषाएँ एवं वर्गीकरण, आकृतिमूलक एवं पारिवारिक मूलक

इकाई – 2 हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ, खडी बोली ब्रज और अवधी की विशेषताएँ

इकाई – 3 हिन्दी भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वर्निम व्यवस्था – खड्‌येतर। हिन्दी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास।

रूप– रचना – लिंग, वचन और कारक – व्यवस्था के सन्दर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम विश्लेषण और क्रिया।

रूप रचना, लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विश्लेषण और क्रिया रूप

हिन्दी वाकय रना, पद क्रम ओर अन्विति।

इकाई – 4 हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ : आँकड़ा – संसाधन और शब्द संसाधन र्वतनी – शोषक मशीनी, अनुवाद, हिन्दी, भाषा– शिक्षण

देवनागरी लिपि विशेषताएँ और मानकीकरण

इकाई – 5 हिन्दी के विविध रूप : सम्पर्क – भाषा राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी माध्यम – भाषा संचार – भाषा, हिन्दी की सांविधानिक स्थिति।

अंक विभाजन

2 आलोचनात्मक प्रश्न

5 लघुउत्तरीय प्रश्न

10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. हिन्दी

हिन्दी साहित्य का इतिहास

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्न–पत्र तृतीय

पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण
भारतेन्दु युग प्रमुख साहित्यकाल, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ

इकाई – 2 संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा का विकास। हिन्दी आलोचना का उद्‌भवना एवं विकास, स्त्री विमर्श और दलित विमर्श का परिचय।

इकाई – 3 उत्तरछायावाद की विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, पग्रोगवाद, नई कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचना और साहित्यिक

इकाई – 4 द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकाल, रचनाएँ औ साहित्य विशेषताएँ। हिन्दी : स्वच्छन्दतावादी चेतना का अग्रिम विकास, छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्य विशेषताएँ

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न

लघुउत्तरीय प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. वैकल्पिक चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न–पत्र – चतुर्थ
हिन्दी साहित्य
प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1 प्रयोजनमूलक हिन्दी की समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

इकाई – 2
1. जनसंचार – प्रौद्योगिक एवं चुनौतियाँ
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप – मुद्रण श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इन्टरनेट
3. श्रव्य माध्यम – रेडियो

मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज

इकाई – 3
1. दृश्य श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन, वीडियो), दृश्य माध्यमों में भाषा में भाषा की प्रकृति, दृश्य श्रव्य सामग्री का सामंजस्य पार्श्व वाचन (वायरस ओवर) पटकथा, लेखन, टेलीड्रामा, डॉक्यू. ड्रामा, संवाद – लेखन साहित्य की विधाओं का दृश्य – माध्यमों का रूपान्तरण विज्ञापन की भाषा।
2. इन्टरनेट सामग्री सृजन

इकाई – 4
1. अनुवादक का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।
2. हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
3. कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद
4. जनसंचार माध्यमों का अनुवाद
5. विज्ञापन में अनुवाद
6. वैचारिक साहित्य का अनुवाद

इकाई – 5
1. वाणिज्यिक अनुवाद।
2. वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद।
3. विधि – साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।
4. व्यवहारिक अनुवाद अभ्यास
5. कार्यालयीन अनुवाद – कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक, प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग, आदि।
6. पत्रों के अनुवाद
7. पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद।

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

एम.ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी
वैकल्पिक
प्रश्न–पत्र चतुर्थ
वैकल्पिक – व्यावसायिक वर्ग
अनुवाद विज्ञान

पूर्णांक 60 + 40 = 100

इकाई – 1	अनुवाद के उपकरण, कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि, मशीनी अनुवाद।
इकाई – 2	अनुवाद पुनरीक्षण, सम्पादक, मूल्यांकन
इकाई – 3	अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य। अनुवाद के गुण।
इकाई – 4	पाठ की अवधारणा और प्रकृति– पाठ–शब्द प्रति शब्द शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद। छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।
इकाई – 5	व्यावहारिक अनुवाद (प्रश्न–पत्र में दिए गए अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी अनुवाद)

सेमीनार
C.C.E.
मौखिक

2019-21

पूर्णांक : 60

इकाई–1	:	बालरामायण (1 से 4 अंक)	12
इकाई–2	:	बालरामायण पर समीक्षात्मक प्रश्न	12
इकाई–3	:	बिद्धशालभंजिका : व्याख्या	12
इकाई–5	:	कर्पूरमंजूरी व्याख्या एक पद्य की संस्कृत छाया	12

अथवा

विशेश कवि प्रज्ञाभारती श्रीधर भास्कर वर्णेकर पूर्णांक : 60

इकाई–1	:	शिवराज्योदयम(प्रथम सर्ग)	12
इकाई–2	:	विवेकानन्दविजयम्	12
इकाई–3	:	श्रमगीता	12
इकाई–4	:	वात्सल्यरसायनम्	12
इकाई–5	:	प्रज्ञाभारतीय श्रीधर भास्कर वर्णेकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर समीक्षात्मक प्रश्न	12